मासिक समाचार पत्र

title-code-MPHIN35679

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

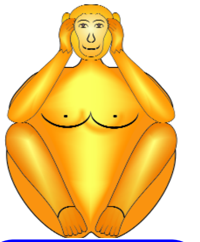

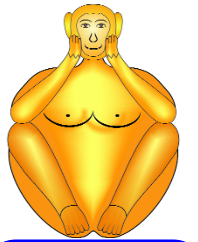

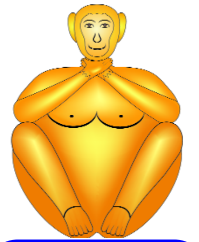

बुरा मत सोचो | बुरा मत मानो | बुरा मत करो

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

वर्ष-1 | अंक : 5 | इंदौर, 15 जुलाई 2020 | पृष्ठ : 8 | कीमत 1 रुपए

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता हैः- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

RNI No. MPHIN/2017/74611
डाक पंजीयन क्र. मालवा डिवीजन 369/2018-2020
(डाक प्रेषण तिथि प्रत्येक माह की 3 एवं 18 तारीख)

उज्जैन कलचुरी वार्ता

Email : ujjainkalchurivarta@gmail.com

सामाजिक, धार्मिक-आध्यात्मिक एवं पारिवारिक पाक्षिक

• प्रधान संपादक : राजेश राय मोबा. 9827378778 • संपादक : रमेश राय मोबा. 8871912317

✧ वर्ष 03, ✧ अंक 15 ✧ उज्जैन, 29 फरवरी, 2020 (विक्रम संवत् 2076) ✧ पृष्ठ 08, ✧ कीमत 350/- वार्षिक

आधार कार्ड के जन्मदाता सुनील जायसवाल इंदौर ने लिखी आधार कार्ड के जन्म की कहानी

नागपुर में 'आधारयण-ग्रंथ' का विमोचन हुआ

कलचुरी वार्ता समाचार... नागपुर। आधार कार्ड जनक सुनील जायसवाल इन्दौर द्वारा लिखित किताब 'आधारयण-ग्रंथ' का विमोचन नागपुर में 4 फरवरी को राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ महाराष्ट्र प्रदेश, नागपुर इकाई द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन के अवसर पर हुआ।

उज्जैन कलचुरी वार्ता को आधार कार्ड जनक सुनील जायसवाल इंदौर ने बताया कि स्व. श्रीमती आशादेवी गोविंदप्रसाद जायसवाल की स्मृति में महासम्मेलन प्रमुख संयोजक श्रीमती दीप्ति एवं दीपक गोविंद प्रसाद जायसवाल नागपुर एवं संरक्षक श्रीमती अर्चना जायसवाल के नेतृत्व में मप्र मंत्री प्रदीप जायसवाल, उप्र मंत्री रविन्द्र जायसवाल, मप्र विधायक दिनेश राय मुनमुन, विधायक आशीष जायसवाल सहित कलचुरी समाज बन्धुओं की उपस्थिति में आधार कार्ड जनक सुनील जायसवाल की किताब 'आधारयण-ग्रन्थ' का विमोचन हुआ। सुनील जायसवाल ने समाज से अपील की कि 'आधारयण-ग्रंथ' में मेरे द्वारा 15 अगस्त 2005 जब से मेरे द्वारा आधार कार्ड का शोध-पत्र लिखा गया तब से आज तक जो भारत सरकार से पत्राचार हुआ जो मेरे दावे को प्रमाणित करता है जब से अब तक के संघर्ष की कहानी एवं उन सभी साक्ष्यों को इस 'आधारयण-ग्रंथ' के माध्यम से भारत सरकार एवं आम जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है जो कि 1100 पन्नों का है। जिसका वजन 4.250 कि. ग्राम है।

सुनील जायसवाल के अनुसार आधार-कार्ड की परि-कल्पना मेरे द्वारा की गई थी, जिसके समस्त साक्ष्य मैंने इस किताब के माध्यम से समाज से सम्मुख प्रस्तुत किए हैं जिसमें भारत सरकार को अपना विरोध भी जताया है। इस जंग में समाजजन से सहयोग व मदद की अपील करता हूँ और अब आगे की जंग कलचुरी समाज अपने हाथ में ले, कलचुरी समाज से आशा करता हूँ।

गुगल पर आधार-कार्ड के जनक सुनील जायसवाल बोलने पर यू-ट्यूब पर साक्ष्य स्वरूप

वीडियो खुलती है।

विमोचन पर श्रीमती सरला गुप्ता जयपुर, महामंडलेश्वर स्वामी संतोषानंद देव, हरिप्रसाद शिवहर, प्रदीपभाई जायसवाल, लालचंद गुप्ता, शंभुनाथ जायसवाल, पद्मनारायण जायसवाल, सुबोध जायसवाल, राजीव जायसवाल, श्रीमती पूनम गुप्ता जयपुर, वरिष्ठ पत्रकार अजयकुमार जायसवाल, राकेश जायसवाल, मदनलाल जायसवाल, श्रीमती नवीन जायसवाल (बब्बू भैया), अटल गुप्ता, विरेन्द्र राय, डॉ. संतोष कुमार जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल शिवचरण हाड़ा, राजेन्द्र मेवाड़ा, मुकेश राय, राजाराम शिवहरे, सुशील जायसवाल, राजेन्द्र जायसवाल, नरेन्द्र भुवारे, सुप्रभात चौकसे, डॉ. बीएम मालवीय, अशोक जायसवाल (एसएमटी) इन्दौर, सुनील जायसवाल आधार कार्ड जनक एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती यामा जायसवाल इन्दौर, महेन्द्र साव, ओपी राय, प्रहलाद जायसवाल, निशांत जायसवाल अमरावती, कलचुरी वार्ता प्र. संपादक राजेश राय सहित समाजजन मौजूद थे।

आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेल फेयर सोसायटी द्वारा कोरोना योद्धाओं को सम्मानित कर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश शासन के नवनिर्वाचित माननीय मंत्री सुश्री उषा ठाकुर जी एवं माननीय मंत्री तुलसीराम सिलावट जी व भाजपा जबलपुर के वरिष्ठ सदस्य श्रीमान अजय जी विश्नोई जी व भाजपा सांवेर के वरिष्ठ सदस्य श्रीमान हरिश जायसवाल जी को आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल समाचार पत्र बुरा मत सोचो बुरा मत मानो बुरा मत करो की प्रति भेंट करते हुए

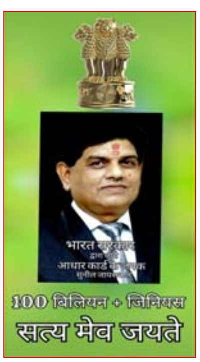

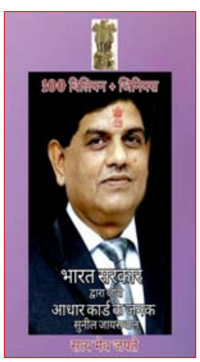
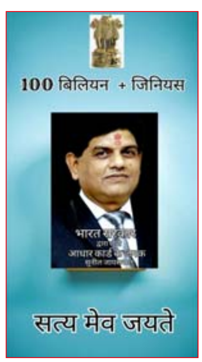

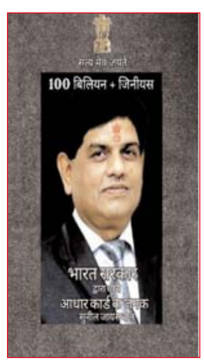

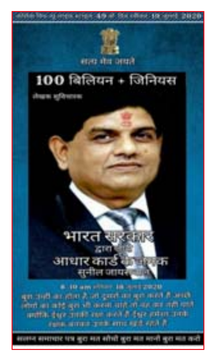

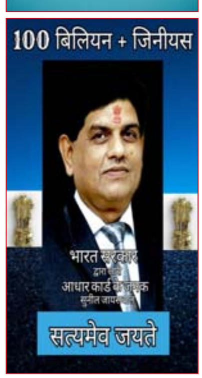

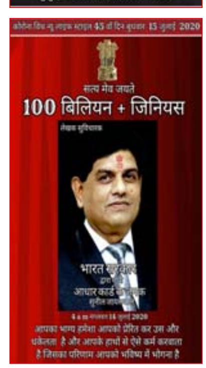

कोरोना कहर–सिरीज–समाचार–व्हाट्सअप ट्वीटर फेसबूक,इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब पर लगातार

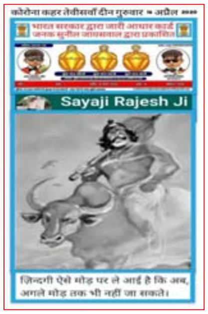

कोरोना कहर–सिरीज–समाचार–व्हाट्सअप ट्वीटर फेसबूक,इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब पर लगातार

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज

द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त

प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि

कर्मवीर को नमन

है चारों तरफ खतरा पसरा ,
हर व्यक्ति लगता डरा डरा ।।
मानव सेवा का व्रत लेकर,
जो काम कर रहा खरा खरा ।
परिवार की चिंता त्याग अहर्निश,
कर्तव्य मार्ग पर अड़ा हुआ।
ए कर्मवीर है नमन तुझे,
तू मानव से भी बड़ा हुआ।।

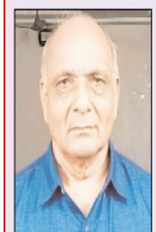

- अनिल ओझा
इंदौर

We Are Manufacturing Fully Stainless Steel Hand Sanitization Stand Touch Free Pedal Dispenser

संपर्क सूत्र मेरे पुत्र मासूम जायसवाल व आधार जायसवाल के पापा का मोबाइल नंबर 9827288077 ब्रैंड नेम मौसमी stainless-steel

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा इंदौर में स्थापना 1985

सिरोही महाराजा श्री रघुवीरसिंह जी के साथ मुंबई के प्रसिद्ध धर्म इतिहास के शोधकर्ता श्री बंशी नारायण खण्डेलवाल, श्री मातर माता के इतिहास पर चर्चा करते हुए केशर विलास महल सिरोही में

श्री खोडियार माता नित्य पूजा-पाठ

विषय सूची

गुरुजी की बात-2	व्रत नियम-18	गुरु महिमा-41
देवी मंत्री सुक्त-3	उजवणी व्रत कथा-21	भक्ती गीत-43
चालीसा-11	खोडियार जीवनी-28	गुरुमंत्री-45
स्तुति-13	तीर्थ भूमिका -32	चौघड़िया-46
थाल-15	आराधना-39	जीवन उद्देश्य-47
श्रद्धा समर्पण-16		जय घोष -48

राष्ट्र सम्मानित लेख एवं धर्म -इतिहास के शोध साहित्यकार
बंशी-नारायण खण्डेलवाल (संगीतकार)

(सर्वाधिकार लेखक के पास सुरक्षित)
वितरक : श्री खोडियार माता लुणावा तीर्थ धाम मंदिर
संस्करण : 10-05-2019
-:प्रकाशक :-
हिन्दू धर्म इतिहास ग्रन्थाकार
बी/307, राजेश पार्क बिल्डिंग, आर.एन.पी.पार्क
काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, भायंदर (पूर्व)
जिला -ठाणे, मुंबई, 401105
मो.-9833081119 मुंबई/7231087602 (राज।)

सहस्त्र बाहु भगवान की पूर्ण वंशावली मैंने 20 वर्षो के अध्ययन के बाद तैयार की है जो दुनिया की नंबर वन वंसावली है। विशेष बात है कि सहस्त्रबाहु जी के विषय में प्रचलित सारी भ्रांतियां भी दूर हो जाएगी।

लेख शोधकर्ता-
बंसी नारायण खंडेलवाल
मुंबई- सिरोही

🙏✍🌞🕉🚩

बन्धुओ ! आदिकाल से वर्तमान तक भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी के राजवंश कि वंशावलिओ में विश्व की एक मात्र धर्म इतिहास के शास्त्री द्वारा प्रमाणित चिंतन कर शोधकार्य द्वारा खोज कर नई वंशावली बनाई गई है , जो लेखक के 15 वर्षो की कठोर मेहनत के गहन अध्ययन का परिणाम है । ऐसा अवसर व्यक्ति के जीवन मे, किसी पुण्यकर्मी या भाग्यशाली को ही मिलता है , जो जीवन मे आपके द्वारा किये गए कार्यो को व आपको भी अमर बना देता है । जिसका महत्व युगों तक देश व समाज में गौरवता के दर्शन कराता है । विश्व भारत का जो भी ट्रष्ट या भामाशाह या समर्पित भक्त अपना तन मन धन से सहयोग देता है ,या धर्म इतिहासिक के कार्यो में अपना योगदान देकर , इस धार्मिक इतिहासिक कार्य के कॉपी राइट खरीदना चाहता है , तो वह खुद संपर्क कर सकता है -> लेखक व धर्म इतिहास के शोधकर्ता - बंसी नारायण खण्डेलवाल मुंबई 9833081119 सिरोही 🙏✍ 🌞🕉🚩

12:39

यूआईडीआई ने आधार अपडेट में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। ये खबर उन आधार कार्ड धारकों के लिए जरूरी खबर है, जो अपने आधार को अपडेट करवाना चाहते हैं। आधार कार्ड में जरूरी बदलाव किए गए हैं, जिसके बाद अब यूआईडीएआई की ओर से कुछ बाध्यताओं को खत्म किया गया है। दरअसल ढ्ढष्ठ्ढ ने आधार कार्ड में अपडेट और सामान्य करेक्शन के लिए अब अधिकारी या जनप्रतिनिधि से सत्यापन की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। यानी अब अगर आपको अपने आधार कार्ड में मोबाईल नंबर, नाम, लिंग, पता, फोटो , ईमेल आईडी बदलवाना हो तो अब आपको किसी अधिकारी या फिर जनप्रतिनिधि से वैलिडेट नहीं करवानी होगी।

यूआईडीआई ने आधार अपडेशन के लिए अब सत्यापित करने की बाध्यता को खत्म कर दी है यूआईडीआई ने 5 एरिया में ये राहत दी है। इस राहत के बाद अब आपको सिर्फ नाम, डेट ऑफ बर्थ और एड्रेस के बदलाव की स्थिति में सरकारी अधिकारी या जनप्रतिनिधि से सत्यापित करवाना होगा। इस राहत के बाद अब अगर आप आधार कार्ड में बायोमीट्रिक, मोबाइल नंबर जैसी गलतियों को सुधारते या अपडेट करवाते हैं तो आपको किसी सरकारी अधिकारी या जनप्रतिनिधि से सत्यापन कराने की जरूरत नहीं होगी।

इन पांच एरिया में खत्म हुई बाध्यता

यूआईडीआई ने 5 सामान्य पहचान में करेक्शन के लिए अथॉरिटी से सत्यापन की बाध्यता खत्म की है। फोटो, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, लिंग बायोमीट्रिक में ससापित करने की बाध्या को खत्म कर दिया गया है। वहीं इसके अलावा नाम, पता और जन्मतिथी में करेक्शन करवाने के लिए यूआईडीआई ने फॉर्मेट भी जारी किया है।

यूआईडीआई ने जारी किया फॉर्मेट

इन तीनों में किसी भी तरह के बदलाव करने के लिए आपको फॉर्म भरकर सत्यापित करवाना होगा। आप इस र्म को यूआईडीआई की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। वहीं आपको अपने आधार में नाम, पता और डेट ऑफ बर्थ में बदलाव करवाने के लिए ग्रुप-वन गजेटेड ऑफिसर या स्थानीय पार्षद से फॉर्म को सत्यापित करवाना होगा।

अब बाल कटवाने के लिए दिखाना होगाआधार कार्ड तमिलनाडू में लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आधार काडको जरूरी दस्तावेजों में शामिल किया है। आधार को कई सरकारी योजनाओं के साथ लिंक किया गया है। इतना ही नहीं बैंक खाता खोलने के लिए, पैन कार्ड के लिए, सरकारी योजनाओं के लिए आधार अनिवार्य है। इन सबके के साथ-साथ अब अगर आपको बाल कटवाना है तो भी आधार कार्ड की जरूरत होगी। जी हां तमिलनाडु सरकार ने सैलून और ब्यूटी पार्लर की सर्विस के लिए आधार कार्ड को अनिवार्य कर दिया है।

बिना आधार के नहीं कटवा पाएंगे बाल

अगर आप तमिलनाडु में रहते हैं तो आपके लिए ये खबर जरूरी है। तमिलनाडु में सैलून और ब्यूटी पार्लर की सर्विस के लिए आधार कार्ड अनिवार्य हो गया है। लॉकडाउन में तमिलनाडु सरकार ने राज्य में सैलून और ब्यूटी पार्लर खोलने का निर्देश दिया है। ऐसे में अगर आप सैलून में बाल कटवाने के लिए जाना चाहते हैं तो आपके पास आधार कार्ड होना जरूरी है। हो सकता है कि अगर आपके पास आधार कार्ड न हो तो सैलून और ब्यूटी पार्लर सर्विस प्रोवाइडर आपको सर्विस देने से मना कर दे।

राजस्थान में पशुओं के भी बन रहे हैं आधार कार्ड, 12 नंबर के अंकों से यूं होगी पहचान

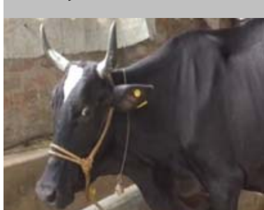

उदयपुर। लो जी अब इंसानों की तर्ज पर पशुओं के भी आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। राजस्थान के उदयपुर में पशुपालन विभाग ने गाय-भैंस की पहचान के लिए आधार कार्ड की तरह ही एक नया सिस्टम इजाद किया है। पशुपालन विभाग की इनाफ योजना के तहत गाय-भैंस के टैगिंग की जा रही हैं, जिससे ना सिर्फ उनकी पहचान हो पाएगी बल्कि उससे जुड़ी पूरी जानकारी ऑनलाइन अपडेट रह सकेगी। इन्फार्मेशन नेटवर्क फॉर एनिमल प्रॉडक्टिविटी एंड हैल्थ योजना के तहत टैगिंग के दौरान 12 डिजिट का आधार कार्ड की तरह नम्बर जनरेट किया जाता है, जिसे इनाफ सॉफ्टवेयर में अपडेट किया जाता है। इसके तहत बार कोड भी जनरेट होता है, जिसे स्केन करने पर पशु के मालिक का नाम और उस पशु के टीकाकरण, नस्ल सुधार कार्यक्रम और चिकित्सा सहायता, पशु की उम्र, बीमारी सहित अन्य जानकारी को आसानी से जुटाई जा सकेगी।

18 करोड़ लोगों ने अब तक पेन कार्ड को आधार से नहीं किया लिंक,

नई दिल्ली। पैन कार्ड को आधार से लिंक करना बेहद जरूरी है। पैन कार्ड को अगर आप आखिरी तारीख से पहले आधार से लिंक नहीं करते हैं तो न केवल आपका पैन कार्ड बेकार हो जाएगा बल्कि आपको जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। पैन कार्ड(जैसे जरूरी दस्तावेज को आधार नंबर ( ) से लिंक करना बेहद जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। पैन कार्ड यानी कि permanent Account number को आधार से लिंक नहीं कराने पर आपके जरूरी काम अटक सकते हैं।

माई गॉव इंडिया के ट्विटर पेज के मुताबिक 32.71 करोड़ से अधिक पेन कार्ड धारकों ने अब तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक करवा लिया है। वहीं ञ्2द्दद्ध के मुताबिक 29 जून तक 50.95 करोड़ पैन कार्ड बांटे गए हैं। इसका मतलब है कि लगभग 18 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं किया है।

भारतीय विशिष्ठ पहचान प्राधिकरण

AADHAAR

आम आदमी का अधिकार

आधार पंजीकरण केन्द्र

बुनकर सेवा केन्द्र

f4 औद्योगिक क्षेत्र पोलोग्राउण्ड, इंदौर

समस्त आधार कार्ड धारको को हार्दिक शुभ कामनाऐ बधाई कर्ता – आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे

आधार का हाथ जीवन भर का साथ

आधार बनवाओं आधार बनो आधार पाओ

933

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर, 452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)